शनिवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

28 जून 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 144
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पंचायत चुनाव 24 व 28 जुलाई को

राज्य निर्वाचन आयोग ने की अधिसूचना जारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। बीत कल नैनीताल हाईकोर्ट द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पर लगाई गयी रोक को हटाये जाने के बाद आज चुनाव अधिसूचना जारी कर दी गयी है। जिससे अनुसार जुलाई माह के अंत तक चुनाव सम्पन्न हो जायेगा।

नई संशोधित अधिसूचना के अनुसार राज्य में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया दो जुलाई से शुरू होगी नामांकन की अंतिम तिथि 5 जुलाई तय की गयी है। पंचायत चुनाव पूर्व की भांति इस बार भी दो चरणों में सम्पन्न कराये जायेगे। पहले चरण के चुनाव के लिए मतदान की तारीख 24 जुलाई तथा दूसरे के लिए मतदान 28 जुलाई को कराया जायेगा। मतगणना 31 जुलाई को होगी।

दोनों की दौर के चुनाव के लिए नामांकन पत्र दो जुलाई से 5 जुलाई तक भरे जांयेगे। नामांकन पत्रों की जांच के लिए 7 से 9 जुलाई की तारीख तय की गयी है तथा 10 से 11 जुलाई तक नाम

❑दो चरणों में होंगे पंचायत चुनाव, मतगणना 31 को

वापस लिए जा सकेंगे।

उल्लेखनीय है इस से पूर्व राज्य निर्वोचन आयोग द्वारा जो अधि सूचना जारी की कगयी थी उस पर हाईकोर्ट द्वारा रोक लगा दी गयी जिसके कारण चुनाव प्रक्रिया बाधित रहने के कारण निर्वाचन आयोग को पुरानी अधिसूचना को रद्द करना पडा था। नई अधिसूचना के अनुसार दो जुलाई के शुरू होने वाली इस चुनावी प्रक्रिया को 31 जुलाई को मतगणना के साथ जुलाई के अंत तक सम्पन्न करया लिया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि हरिद्वार को छोडकर शेष राज्य के 12 जिलों में होने वाले इस चुनाव में 89 विकासखण्डों और 7499 ग्राम पंचायतों में चुनाव कराया जायेगा। जिसमें 66418 चुनाव होने /ग्राम पंचायत सदस्य के 55587 पद तथा ग्राम पंचायतों के 749949 सदस्य क्षेत्र पंचायत के 2974 पद तथा सदस्य जिला पंचायत के 358 पदों के लिए चुनाव होगा। इस चुनाव के लिए 8276 मतदान केन्द्र बनाये जायेंगे तथा 10,529 मतदान स्थल बनाये गये हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

फैसले पर सवाल

नैनीताल हाईकोर्ट द्वारा पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद पहले चुनाव पर रोक लगाई गयी और फिर तीन दिन बाद ही रोक को हटा भी दिया गया। रोक लगाने ओर हटाने के इस फैसले को लेकर कांग्रस नेता गणेश गोदियाल का कहना है कि यह फैसला उनके गले नहीं उतरा है। उनका साफ कहना है कि सरकार के द्वारा जिस आधार पर आरक्षण की व्यवस्था दी या आरक्षण रोटेशन किया गया उसे असंवैधानिक बताते हुए जिन लोगों द्वारा 39 याचिकाएं दायर की गयी और उसमें यह कहा गया कि उन्हें चुनाव लडने के संवैधानिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है, अगर सही नहीं था तो कोर्ट ने चुनाव पर रोक क्यों लगाई गयी? और अगर सही था या सही है तो उन्हें बिना न्याय दिये इस पर रोक को क्यों हटा दिया गया? कोर्ट ने चुनाव कराने और याचिका कर्ताओं की अपील सुनवाई जारी रखने की प्रक्रिया को साथ-साथ चलते रहने की जो व्यवस्था दी गयी है वह कैसे न्याय संगत है यह उनसे तो क्या किसी के भी गले नहीं उतर सकती है। वह थलीसैंण और बीरौंखल विकास खण्ड का उदाहरण देते हुए कहते हैं, बीते 40 सालों में इन पंचायतों व विकास खण्ड के लोगों के जीवन में यह मौका नहीं आया कि जिनके लिए यह सीटें आरक्षित हैं उन्हें चुनाव लड़ने का मौका ही नहीं मिला। यह संविधान की मूल भावना के अनुरूप है या विपरीत है। उनका कहना है कि मैं जो कह रहा हूं उसके लिए अगर मुझे सजा भी होती है तो हो जाए लेकिन मैं स्वयं को यह कहने से रोक नहीं सकता हूं क्योंकि मैं कांग्रेस का नेता ही नहीं हूं उत्तराखण्ड का नागरिक भी हूं। वह न्यायालय के इस फैसले को एक ऑन गोइंग प्रक्रिया बताते हुए कहते हैं कि हो सकता है याचिकाकर्ता इसके खिलाफ बड़ी अदालत में भी जाए। खैर कुल मिलाकर अब हाईकोर्ट द्वारा पंचायत चुनाव पर लगी रोक को हटा लिया गया है और चुनाव आयोग सरकार से विमर्श के बाद फिर नई अधि सूचना जारी करने की तैयारी में जुट गया है और सरकार भी चुनाव को तैयार है। हालांकि कोर्ट ने कई बिंदुओं पर 3 सप्ताह में जवाब भी मांगा है। उत्तराखण्ड राज्य गठन के बाद सिर्फ निकाय ओर पंचायत चुनावों को लेकर ही नहीं और भी तमाम मुद्दों को लेकर अनेक ऐसी समस्याएं और मसले हैं जो कानूनी पेंचीदगी में उलझी हुई है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में एक देश एक चुनाव जैसी तमाम बातों के बड़े-बड़े दावे किये जाते रहे हैं लेकिन जमीनी हकीकत एक दम अलग है। उत्तराखण्ड जैसे राज्य में अगर एक साथ पंचायत चुनाव भी नहीं कराये जा सकते हैं तो एक देश एक चुनाव की बात से बड़ा मजाक क्या हो सकता है? लेकिन देश इस समय सिर्फ हवा हवाई बातों और वायदों पर ही चल रहा है। वर्तमान दौर की राजनीति का सच यही है और इसे देश का हर नागरिक अब भली प्रकार जान समझ चुनाव है।

प्रवासी उत्तराखंडियों ने चार स्कूलों में आयोजित किया समर कैम्प

संवाददाता

देहरादून। प्रवासी उत्तराखंडियों ने पौडी, टिहरी व अल्मोडा के चार स्कूलों में समर कैम्प का आयोजन किया।

आज यहां उत्तराखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका और उत्तराखंड सरकार के प्रवासी उत्तराखंडी सेल की ओर से पौड़ी, टिहरी और अल्मोड़ा के चार स्कूलों में समर कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं ने विभिन्न तरह की शैक्षणिक ओर सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया।

प्रवासी सेल के प्रभारी सुधीर चंद्र नौटियाल ने बताया कि उत्तराखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए चार जगहों पर इन समर कैम्प आयोजन किया। इसी क्रम में पौड़ी जिले के डबरालस्यूं में पांच से 15 जून के बीच 10 दिवसीय समर कैम्प आयोजित किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को बुक रीडिंग, योगा, नुक्कड़ नाटक, गीत संगीत, पर्यावरण अध्ययन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसी क्रम में पीएम श्री जीआईसी बल्ली में 16 जून को 10 दिवसीय समर कैम्प का समापन हुआ। जिसमें विद्यालय के लगभग 70 छात्र-छात्राओं ने विविध गतिविधियों के माध्यम से अपने कौशल और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समर कैम्प के दौरान बच्चों ने भाषण, नाटक, नृत्य और कलात्मक गतिविधियों में प्रतिभाग किया। समापन समारोह में छात्र- छात्राओं ने पर्यावरण और प्रदूषण, सार्वजनिक भाषण कला और व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे विषयों पर ओजस्वी भाषण दिए। बालिकाओं ने गढ़वाली लोकनृत्य के माध्यम से स्थानीय संस्कृति को जीवंत किया। इसके साथ ही एक बहुसांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति में पंजाबी, बंगाली, राजस्थानी और मराठी संगीत पर छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुति दी। गढ़वाली हास्य नाट्य ने दर्शकों को खूब हँसाया और लोकभाषा की सुंदरता को सामने लाया। इसी तरह अल्मोड़ा जनपद के राजकीय जूनियर हाई स्कूल अल्मोड़ा और रूप ज्योति पब्लिक स्कूल ग्वालकोट में 18 जून से 10 दिवसीय समर कैम्प शुरु हुआ है, जो 28 जून को सम्पन्न हुआ। समर कैंप में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जीआरपी ने 40 लाख कीमत के मोबाइल उनके स्वामियों को किए वापस!

संवाददाता

देहरादून। जीआरपी पुलिस ने पांच माह में 40 लाख कीमत के 250 मोबाइल फोन बरामद कर उसके स्वामियों को वापस किये।

आजकल के माहौल में मोबाइल एक महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक गैजेट है, इसके अचानक खो जाने से दिक्कत होना स्वाभाविक है। आईपीएस तृप्ति भट्ट एक तेज तर्रार पुलिस ऑफिसर के रुप में जानी जाती हैं जो अपनी कार्य कुशलता एवं इंटेलिजेंस के लिए भी अलग पहचान रखती हैं यही कारण है कि जब से इन्होंने जीआरपी का कार्यभार संभाला है तब से जीआरपी में आए दिन जहां एक तरफ एक से बढ़कर एक शानदार खुलासे हो रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ जीआरपी अब लोगों के चेहरों पर

मुस्कान की वजह भी बन रही है। कप्तान की पहल पर जीआरपी पुलिस टीम द्वारा आज जीआरपी मुख्यालय हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में एसपी जीआरपी तृप्ति भट्ट द्वारा लोगों को उनके खोए मोबाइल वापस दिलवाए। आजकल हो रही रिमझिम बरसात के बीच पीड़ितों पर जब खोए मोबाइल वापस पाने की खुशियों की बरसात हुई तो सभी के चेहरे खिल उठे जिसकी उम्मीद पीड़ित पक्ष लगभग छोड़ चुके थे। विगत तीन माह में जीआरपी एसओजी व जीआरपी के सभी थानों की पुलिस टीम द्वारा लगभग 22 लाख कीमत के 135 मोबाइल बरामद किए गये जबकि कुल मिलाकर पांच माह में लगभग 40 लाख कीमत के मोबाइल बरामद किए गए हैं। समय-समय पर उत्तराखंड के विभिन्न रेलवे स्टेशनों से मोबाइल खोने की सूचनाएं प्राप्त होने पर कप्तान तृप्ति भट्ट द्वारा प्रकरणों का संज्ञान लेते हुए सभी थानाध्यक्षों को 'एक इकाई' (टीम) के रूप में काम करने को प्रेरित कर, मोबाइल फोनों को बरामद करने हेतु निर्देशित किया। जिस पर काम करते हुए जीआरपी एसओजी टीम एवं सभी थाना पुलिस द्वारा दिन रात मेहनत करते हुए मोबाइलों को सर्विलांस व C-E-I-R

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

छात्रों ने किया सचिवालय का घेराव- तकनीकी, सचिव का पुतला जलाया

संवाददाता

देहरादून। छात्रों ने सचिवालय का घेराव कर शिक्षा सचिव का पुतला दहन किया।

आज यहां वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय में चल रहे फर्जी डिग्री जाँच प्रकरण, भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनिमिताओ की शिकायतो को लेकर डी.ए.वी. छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में छात्र पिछले छह माह से सड़को पर आंदोलनरत है। यू.टी.यू सॉफ्टवेयर घोटाले की जांच में शासन के ढुल मुल रवैये एवं कुलपति डॉ. ओमकार यादव के साथ तकनीकी शिक्षा सचिव, तकनीकी शिक्षा मन्त्री एवं राजभवन की मिली भगत एवं अंदर खाने लगातार सह दिए जाने से नाराज छात्रों ने आज सचिवालय का घेराव किया एवं तकनीकी शिक्षा सचिव के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और साथ ही शिक्षा सचिव रणजीत सिन्हा का पुतला जलाते हुए भ्रष्ट सचिव के इस्तीफे की मांग की। इस जांच समिति में ईआरपी सॉफ्टवेयर के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया और वित्तीय अनियमितताओं की जांच का कार्य निदेशक आईटीडीए नितिका खंडेलवाल को सौंपा गया था। राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी एसआइसी, वित्त अधिकारी आईटीडीए, आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर और एक अन्य अधिकारी को इस समिति में शामिल किया गया था। बीते 5 मई को जांच समिति का गठन किया गया और 9

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दूसरे दिन भी काँवली रोड़ पर पानी की समस्या से लोग रहे परेशान

संवाददाता

देहरादून। पानी की लाईन टूटने से दूसरे दिन भी कांवली रोड के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है।

आज काँवली रोड़ के वार्ड 23 व वार्ड 24 मे पानी की लाईन टूटने से क्षेत्र मे हाहाकार मच गया। यूपीसीएल ऊर्जा भवन की गलती से क्षेत्र मे दो दिन से पानी नहीं आ रहा है क्योंकि काँवली रोड़ पर बिजली के खम्बे ऊर्जा भवन द्वारा लगाए जा रहे हैँ जिसकी वजह से खुदाई करते समय पानी लाईन तोड़ दी गई जिसका खामियाजा क्षेत्र की जनता को भुगतना पढ़ रहा है क्षेत्र की सामाजसेवी ममता सैलवान ने जल संस्थान अधि कारी डोभाल को फोन पर पानी के टेंकर की मांग करी जिस पर अधिकारी डोबाल

ने तुरंत पानी के तीन टेंकर भेज दिए,पानी मिलने से लोगों ने राहत की सांस ली। अधिकारी डोभाल ने बताया की लेवर पानी की लाईन जोड़ने के लिए काम कर रही है लेकिन बारिश की वजह से काम नहीं हो पाया।

उन्होंने कहा की आज पानी की लाईन ठीक कर दी जाएगी अगर बारिश नहीं हुई तो शाम तक पानी आ जायेगा। पानी की समस्या के साथ साथ बिजली की भी समस्या हो रही है। विद्युत विभाग के एसडीओ गुरदीप सिंह ने बताया की जो खम्बे लगाए जा रहे हैँ उसका कार्य रात को किया जाता है और उसकी वजह से पानी की लाईन टूट गई जिसकी मरम्मत के लिए जल संस्थान के साथ मिलकर विद्युत विभाग भी सहयोग कर रहा है।

तेज गति में चलने से मिल सकते हैं कई लाभ

हाल ही में सामने आए अध्ययन से पता चला है कि अगर आपके चलने का तरीका सही है तो उससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

आइए इस अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं। 4,5०,००० से अधिक वयस्कों पर किया गया अध्ययन शोधकर्ताओं ने बताया कि रोजाना 14 मिनट की सैर को सात मिनट की तेज चाल में बदलने से हृदय रोग का खतरा 14 प्रतिशत तक कम पाया गया।

ब्रिटेन में 4,5०,००० से अधिक वयस्कों के विश्लेषण में जैविक आयु के आनुवंशिक मार्क का इस्तेमाल करके यह पता चला कि मध्यम आयु तक, जीवनभर तेज चलने से बढ़ती उम्र का प्रभाव कम हो जाता है। डॉक्टर्स और फिटनेस विशेषज्ञ रोजाना कुछ मिनट चलने की सलाह देते हैं और इसके लिए लोग तरह-तरह की वॉकिंग एक्सरसाइज को अपनाते हैं, फिर चाहे वो ब्रिस्क वॉक हो या रेट्रो वॉकिंग। शोधकर्ताओं का कहना है कि तेज चलने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिल सकते हैं। अध्ययन में बताया गया है कि तेज गति में चलना रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसे हृदय रोग के जोखिम कम करने में भी साबित हुआ है। शोधकर्ताओं ने बताया कि तेज गति में चलने से शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा कई अन्य लाभ भी मिल सकते हैं। यह मस्तिष्क की गतिविधि में मदद कर सकता है और रचनात्मक विचारों के उत्पादन को बढ़ा सकता है। साथ ही भरपूर ऊर्जा भी प्रदान कर सकता है। शारीरिक निष्क्रियता बन सकती है कई गंभीर बीमारियों का कारण शोधकर्ताओं ने कहा, शारीरिक निष्क्रियता मधुमेह, हृदय रोग और मोटापे जैसी दीर्घकालिक बीमारियों का मुख्य कारण है, जो विकसित और विकासशील देशों में समान रूप से देखी जाती है। उन्होंने आगे कहा कि अगर शारीरिक सक्रियता पर ध्यान दिया जाए तो प्रतिवर्ष लगभग 39 लाख असामयिक मौतों को रोका जा सकता है। हालांकि, लोग शारीरिक सक्रियता की बजाय चिकित्सा प्रणाली पर काफी हद तक निर्भर हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों को बढ़ाना है जरूरी- शोधकर्ता शोधकर्ताओं का कहना है कि लोग बीमार पड़ते हैं और फिर बीमारी के इलाज के लिए करोड़ों रुप से ज्यादा का खर्च आता है, जो स्वास्थ्य क्षेत्रों के लिए एक बड़ा मुनाफा है। उन्होंने आगे कहा कि अगर इन लागतों का केवल एक अंश सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों में लगाया जाए, जिसका उद्देश्य सभी के लिए पैदल चलना और शारीरिक गतिविधि के अवसर बढ़ाना हो तो काफी पैसा बच सकता है और शरीर भी स्वस्थ रहेगा।

एआई की मदद से पता कर सकते हैं टाइप 1 डायबिटीज का खतरा

वैज्ञानिकों ने एक ऐसा अत्याधुनिक उपकरण विकसित किया है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से व्यक्ति के स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण करके यह अनुमान लगा सकता है कि उसे भविष्य में टाइप 1 डायबिटीज होने का कितना खतरा है। यह दावा किया है ऑस्ट्रेलिया के वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने। यह उपकरण केवल संभावित खतरे की पहचान नहीं करता, बल्कि यह भी बताने में सक्षम है कि मरीज के शरीर पर इलाज का किस प्रकार असर होगा।

शोधकर्ताओं ने इस उपकरण में 'डायनेमिक रिस्क स्कोर फॉर क्लीनिकल केयर' (डीआरएस4सी) नामक प्रणाली का इस्तेमाल किया है, जो माइक्रो आरएनए आधारित तकनीक पर काम करती है। इसमें खून से प्राप्त बेहद छोटे आरएनए अंशों के विश्लेषण के जरिए यह पता लगाया जाता है कि व्यक्ति में टाइप 1 डायबिटीज विकसित होने की कितनी संभावना है। जानकारी के मुताबिक, यह उपकरण विशेष रूप से बच्चों के लिए उपयोगी हो सकता है, क्योंकि उनमें यह बीमारी तेजी से फैलती है और जीवन प्रत्याशा को औसतन 16 साल तक घटा सकती है। ऐसे में समय रहते खतरे की पहचान होने पर इलाज जल्द शुरू किया जा सकता है, जिससे बीमारी की गति धीमी की जा सकती है।

अध्ययन के तहत भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, डेनमार्क, हांगकांग, न्यूजीलैंड और अमेरिका के लगभग 5,983 व्यक्तियों के नमूनों का विश्लेषण किया गया। इसके बाद अतिरिक्त 662 लोगों पर इस तकनीक का परीक्षण किया गया, जिससे इसकी सटीकता की पुष्टि हुई। खास बात यह रही कि इलाज की शुरुआत के महज एक घंटे बाद ही यह स्कोर बता देता है कि कौन-से मरीज बिना इंसुलिन के बेहतर हो सकते हैं। मुख्य शोधकर्ता डॉ. मुग्धा जोगलेकर ने बताया कि यह तकनीक सिर्फ जेनेटिक जानकारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह डायनेमिक रिस्क मार्कर का भी विश्लेषण करती है।

श्रद्धालुओं को उत्तम यात्रा का अनुभव देना हमारी प्राथमिकता: भदौरिया

हमारे संवाददाता

पौड़ी। आगामी कांवड़ यात्रा को सुचारु और सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने समस्त संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि 5 जुलाई 2025 तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों के लिए निर्धारित पैदल मार्गों की समयबद्ध मरम्मत की जाए और आवश्यकतानुसार वैकल्पिक मार्गों की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा उन्होंने मुख्य सड़कों पर पैचवर्क का कार्य भी समय से पूरा करने को कहा, ताकि यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। साथ ही उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर वृहद सफाई अभियान चलाया जाएगा। सभी शौचालयों की नियमित सफाई, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, जल कनेक्शन एवं जल टैंकरों की व्यवस्था भी समय पर सुनिश्चित की जाएगी। जहां हैंडपंप काम नहीं कर रहे हैं, वहां वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, अस्थायी नल कनेक्शन हेतु जल संस्थान को और जल टंकियों में वोल्टेज की समस्या के समाधान हेतु विद्युत विभाग को निर्देश दिये गये।

बैठक में जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि यात्रा मार्ग में आने वाले पेड़ों की समय से लॉपिंग की जाय, जिससे श्रद्धालुओं को मार्ग में किसी प्रकार की बाधा न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में लापरवाही होने पर विद्युत विभाग की जिम्मेदारी निर्धारित की जाएगी।

कांवड़ यात्रा की रात्रिकालीन व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने जिला पंचायत, उरेडा एवं वन विभाग को स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही पुलिस को घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मियों की तैनाती और जिला पंचायत को कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था संभालने के निर्देश दिये गये। स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि यात्रा मार्ग पर एम्बुलेंस, आवश्यक दवाएं, चिकित्सकीय उपकरण एवं स्वास्थ्यकर्मी पूर्व से तैनात रहेंगे। इसके साथ ही एसडीआरएफ, पीआरडी, होमगार्ड जवानों की तैनाती, सैटेलाइट फोन, लाउडस्पीकर, नेटवर्क कनेक्टिविटी और बैरिकेडिंग से संबंधित कार्यों की पहले से योजना बनाकर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने समस्त विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये कि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान हर स्तर पर बेहतर सुविधाएं एवं सुरक्षा प्राप्त हो।

ऑपरेशन लगाम: ड्रंक एंड ड्राइव व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने ऑपरेशन लगाम के तहत ड्रंक एंड ड्राइव व यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 10 लोगों का चालान किया।

आज यहां ऑपरेशन लगाम के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल के निर्देशन में शराब पीकर वाहन चलाना, रैश ड्राइविंग, यातायात नियमों का उल्लंघन, सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीकर हुडदंगबाजी करने वालों पर उत्तरकाशी पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी है।

यातायात पुलिस व एआरटीओ की टीम द्वारा गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग, स्थान सिंगोटी के पास संयुक्त वाहन चैकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 10 लोगों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गयी। चैकिंग के दौरान पुलिस व एआरटीओ की टीम द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने, रैश ड्राइविंग, वाहन पर काली फिल्म लगाने वालों की सघन चैकिंग की गयी तथा संदिग्ध वाहन चालकों का एल्कोमीटर से परीक्षण किया गया। वहीं कोतवाली मनेरी पुलिस द्वारा मनेरी क्षेत्रान्तर्गत वाहन चैकिंग अभियान चलाते हुये वाहन फिटनेस तथा ड्रंक एंड ड्राइव वालों की सघन चेकिंग की गयी। वाहन चालकों व जनता को 'अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस' के अवसर पर हीना पार्किंग नशा निरोधी शपथ दिलाई गयी।

विस्थापित 3200 परिवारों को मालिकाना हक दिलाकर रहेगे: गोगी

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी ने कहा कि पाकिस्तान से आये विस्थपित 3200 परिवारों को कांग्रेस मालिकाना हक दिलाकर रहेगी।

आज महानगर कांग्रेस की एक बैठक प्रेमनगर कौलगढ़ ब्लॉक में आहुत हुई जिसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी ने किया, बैठक की अध्यक्षता करते वक्त डॉ जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव आम जानता के साथ के साथ खड़ी है, सरकार जबसे सत्ता में आई है तबसे मलिन बस्तियों को लेकर जनता में भ्रम की स्थित बना रखी है कांग्रेस पार्टी 2016 में मालिकाना हक के लिए अध्यादेश लेकर आई थी उसके बाद हमारी सरकार नहीं आई वरना उस वक्त चिन्हित 582 मलिन बस्तियों को उसका अधिकार मिल चुका होता। प्रेमनगर में 3200 ऐसे परिवार है जो पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए थे आज भी वो अपने हक के लिए दर दर भटक रहे हैं पर सरकार के पास उनकी सुध लेने का समय नहीं है। सरकार तो भूतकाल में जी रही है और भविष्य की बातें कर रही है बल्कि बात वर्तमान की होनी चाहिए, मालिकाना हक की लड़ाई कांग्रेस ने शुरू की थी और कांग्रेस ही उसे अपने अंजाम तक लेकर जाएगी। जानता भाजपा का असली चेहरा समझ चुकी है अब 2027 में इनको इनकी असली जगह दिखा देगी, पंचायत चुनाव पर भी सरकार ने जनता को भ्रम में रखा पर जानता उसका जवाब देने का कार्य करेगी, कांग्रेस ने बस्तियों को बचाने का वादा किया है रूप रेखा तैयार की है और और संघर्ष करने का काम करेगी। बैठक में मुख्य रूप से आज को 21 कैंट विधानसभा के जिसमे पार्टी द्वारा निर्देशित बूथ स्तरीय कमेटी, ब्लॉक स्तरीय कमेटी के गठन पर जोर देते हुए बूथ स्तरीय कमेटी के साथ-साथ प्रत्येक बूथ की वोटर लिस्ट बनाए जाने हेतु नियुक्ति किए जाने पर सहमति बनी।

बैठक का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद तनेजा, प्रेमनगर अध्यक्ष मोहीत ग्रोवर ने किया, बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस सुमित खन्ना, लक्ष्मी नारायण, कैलाश वाल्मीकि, मंजू क्षेत्री, हरप्रीत सिंह हैली, आशीष देसाई, कैलाश वाल्मीकि, सुनील कुमार, कुलदीप नरूला, गोविंद सिंह बिष्ट, हरपाल सिंह पाली, रविन्दर सिंह जूनियर, प्रदीप भाटिया आदि उपस्थित थे।

ट्रंप अमेरिका को विश्व के सामने गैर जिम्मेदार देश बना रहे हैं

अजय दीक्षित

जब से डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं तब से लगातार कभी टैरिफ बार को लेकर,तो कभी यूक्रेन रूस युद्ध को लेकर,अब ताज़ा हालत लॉस एंजिल्स और फ्लोरिडा में सेना तैनात कर, विवादों में फंस रहे हैं। इससे पूरे संसार के सामने अमेरिका की किरकिरी हो रही है।वे इतने अस्थिर दिमाग के है कि उनके समर्थक देशों में ट्रंप की कार्यप्रणाली को लेकर चिंता है। नाटो देश भी सकते में हैं। यूरोपीय देशों में व्यापार और सुरक्षा को भ्रम बना हुआ है। नवंबर 2024 के चुनाव से पहले उनके सेकंड मेन इलेन मस्क ने भी उनसे पिंड छुड़ा लिया है। ट्रंप के फैसले ऐसे है कि व्हाइट हाउस में यूएस फाइनेंस सेकेट्री स्टीव बेसेंट और एलन मस्क में मारपीट हो गई है। यदिप डॉनल्ड ट्रंप का 2016 से 2020 तक का पहला कार्य काल इतना खौफनाक नहीं था।2024 में चुनाव से पहले ट्रंप ने कहा था कि अगर वे पुनः सत्ता में

आते हैं तो रूस यूक्रेन युद्ध समाप्त होगा और इसराइल हमास युद्ध भी बंद होगा। लेकिन जनवरी 2025 में कार्यभार संभालने के बाद अमेरिका को उन्होंने व्यापारी बना दिया और चाइना,भारत,पर अनाप शनाप टैक्स आयात पर लगा दिए और उस टैक्स टैरिफ को जुआ खेलने की तरह बढ़ाने लगे फिर समझौता कर लिया। यूक्रेन रूस युद्ध में बातचीत की परन्तु न तो जलेशकी ने मानी न पुतिन ने अंत में यह कहकर पीछे छोड़ दिया कि पुतिन क्रेजी हैं। जलेशकी को व्हाइट हाउस में बुलाकर अमर्यादित भाषा बोली और बिना खाना खिलाए चलता कर दिया।

यूक्रेन की मदद के अबज में खनिज संपदा दोहन का अधिकार हासिल किया। यूक्रेन रूस युद्ध से हाथ खींचने से यूरोपीय देश जर्मनी फ्रांस इटली हंगरी पोलैंड चेकोस्लोवाकिया ब्रिटेन नाराज हो गए और उन्होंने यूक्रेन को युद्ध में हथियार देना जारी रखा है।यहां तक कि नाटो देश का संगठन भी अपने अस्तित्व को समझने में लगा है। अमेरिका अप्रवासियों का देश है यहां पर करोड़ लोगों का काम की आवश्यकता के लिए आते हैं। लॉस एंजिल्स संकट भी इसी से जुड़ा है। अप्रवासियों के लिए नए नए नियम बनाए जा रहे हैं जबकि कई लाख अप्रवासियों की तीसरी पीढ़ी कार्य कर रही है। हार कर इन लागों ने फेडरल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है तो ट्रंप ने सेना तैनात कर दी है। अमेरिका विश्व की 31 त्रियलन डॉलर की इकोनॉमी है इसमें अप्रवासियों का बहुत योगदान है। अमेरिका में बहुत बड़ा बाजार है और सबसे बड़ा खरीददार भी है जिसमें फार्मासेटिकल, ऑटोमोबाइल, पेट्रोलियम पदार्थों, कपड़ों,का बहुत से अन्य भी शामिल हैं। अमेरिका पूरे यूरोपीय देशों को गोला बारूद, स्नाइपर्स, लड़ाकू विमानों, यात्री विमान, हेलिकाप्टर, रेल सड़क परिवहन निर्माण कार्यक्रम भी करता है। यूएस प्रेसिडेंट की पूर्व में एक गरिमा थी उससे ऊलजुलूल व्यानबाजी की उम्मीद नहीं करते थे लेकिन डॉनल्ड ट्रंप ऐसा ही कर रहे हैं और वे ग्यारह बार कह चुके भारत पाकिस्तान युद्ध में सीज फायर उन्होंने कराया है। कभी कभी ट्रंप उन घटनाओं को हल्के में लेते हैं और बयान जारी कर देते हैं जैसे कश्मीर का मामला ।भारत को कहना पड़ा कि सीज फायर में कश्मीर कोई बात नहीं हुई न होगी ।

लॉस एंजिल्स में फेडरल सरकार और कैलिफोर्निया की सरकार आमने सामने है।ट्रंप ने फेडरल गार्ड शहर में तैनात कर दिए हैं जबकि आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी कैलिफोर्निया राज्य की है। डॉनल्ड ट्रंप पर अश्वेतों को बाधित करने का आरोप भी है। डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका में राष्ट्रवाद के द्योतक हैं।जबकि अमेरिका ने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्राजील, भारत, पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर यमन दोहा कुवैत रूस इराक ईरान लीबिया सीरिया लेबनान के लाखों लोगों रहते हैं। कमला हैरिस, भी विदेश मूल की है। यूएस प्रेसिडेंट के रूप में अब्राहिम लिंकन, जॉर्ज वाशिंगटन, रोनाल्ड रेगन, बराक ओबामा, रूजवेल्ट, सरीखे लोग इस पद पर रहे हैं। एक दो प्रेसिडेंट को छोड़कर सभी गवर्नर रहे । लेकिन डॉनल्ड ट्रंप एक बहुत बड़े बिल्डर हैं। वे इसी तरह अमेरिका को चलाना चाहते हैं। उनके पूर्ववर्ती जोए बाइडन सहित अनेक यूएस प्रेसिडेंट विश्व की घटनाओं पर बोलते नहीं थे बल्कि उनके प्रेस सलाहकार, फॉरेन सेक्रेटरी, डिफेंस सेक्रेटरी, स्पोक पर्सन ,या कोई पार्टी का सीनेटर बोलते थे। लेकिन ट्रंप बहुत हल्की बात करते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गिनी पिग की देखभाल के लिए अपनाएं ये तरीके

गिनी पिग एक प्यारा पालतू जानवर है, जिसे पालने में थोड़ी सावधानी और देखभाल की जरूरत होती है। यह जानवर खासकर बच्चों और परिवार के लिए एक बेहतरीन साथी हो सकता है।

इस लेख में हम आपको गिनी पिग की देखभाल से जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताएंगे, जिससे आप अपने गिनी पिग को स्वस्थ और खुश रख सकें।

इसके अलावा हम आपको गिनी पिग की आदतों और जरूरतों के बारे में भी जानकारी देंगे।

सही खाना दें

गिनी पिग के लिए सही खाना देना बहुत अहम है। उन्हें हरी सब्जियां, जैसे पालक, गाजर और टिमोथी घास देना चाहिए।

इसके अलावा उन्हें ताजा पानी भी पिलाना जरूरी है। गिनी पिग के लिए खासतौर पर हरी पत्तेदार सब्जियां और बिना शक्कर वाले फलों का सेवन फायदेमंद होता है।

उन्हें कभी भी तैयार खाद्य पदार्थ न दें क्योंकि इससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है और वे बीमार हो सकते हैं।

आरामदायक बिस्तर बनाएं

गिनी पिग के लिए आरामदायक बिस्तर बनाना बहुत जरूरी है। उनके पिंजरे में नरम

और सूखा बिस्तर होना चाहिए ताकि वे आराम से बैठ सकें।

इसके लिए आप सूखी घास का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि ये पूरी तरह से सूखे हों ताकि गिनी पिग की त्वचा पर कोई असर न पड़े।

इसके अलावा पिंजरे को साफ रखना भी जरूरी है ताकि गिनी पिग बीमार न हों और स्वस्थ रहें।

नियमित व्यायाम करवाएं

गिनी पिग को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम करवाना जरूरी है। उन्हें खुले मैदान या बड़े पिंजरे में खेलने दें ताकि वे कूद-फांद सकें और अपनी ऊर्जा खर्च कर सकें।

इससे उनकी मांसपेशियां मजबूत होती

हैं और वे सक्रिय रहते हैं। इसके अलावा उन्हें दौड़ने या खेलने के लिए खिलौने भी दे सकते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है और वे खुश रहते हैं।

नियमित व्यायाम से उनकी सेहत भी अच्छी बनी रहती है।

साफ-सफाई का ख्याल रखें

गिनी पिग के पिंजरे की साफ-सफाई का ख्याल रखना जरूरी है। हर हफ्ते कम से कम एक बार पिंजरे को अच्छी तरह से साफ करें और नए बिस्तर डालें।

इसके अलावा गिनी पिग की पानी की बोतल और खाने की प्लेट भी नियमित रूप से धोएं। इससे उनकी सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा और वे हमेशा स्वस्थ रहेंगे।

साफ-सफाई से गिनी पिग की त्वचा और फर पर भी ध्यान रहेगा, जिससे वे खुश और आरामदायक महसूस करेंगे।

डॉक्टर से जांच करवाते रहें

अपने गिनी पिग को समय-समय पर डॉक्टर से जांच करवाते रहें ताकि किसी भी प्रकार की बीमारी जल्दी पता चल सके।

अगर आपको लगता है कि आपके गिनी पिग में कोई समस्या है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपने गिनी पिग को एक खुशहाल और स्वस्थ जीवन दे सकते हैं। याद रखें कि प्यार और देखभाल ही उनके जीवन की सबसे बड़ी जरूरत होती है।

शब्द सामर्थ्य -85

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

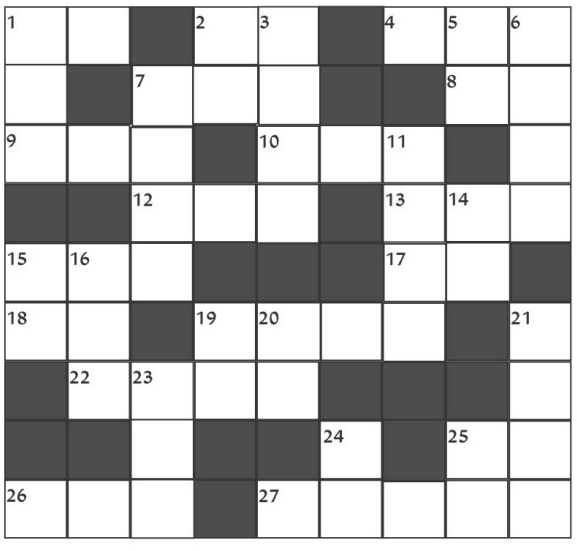

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 84 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

माचो स्टार गोपीचंद के फैंस को मिला तोहफा, गोपीचंद33 से पहली झलक आई सामने

माचो स्टार गोपीचंद वर्तमान में एक नई फिल्म सगोपीचंद33 में अभिनय कर रहे हैं, जिसका निर्देशन दूरदर्शी संकल्प रेड्डी कर रहे हैं और श्रीनिवास सिल्वर स्क्रीन के श्रीनिवास चित्तूरी द्वारा निर्मित, पवन कुमार द्वारा प्रस्तुत। भव्य ऐतिहासिक महाकाव्य, जिसे उच्च बजट के साथ बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है, इसकी शूटिंग प्रगति पर है।

गोपीचंद के जन्मदिन के अवसर पर, निर्माताओं ने एक चौंका देने वाला विशेष पोस्टर और एक झलक जारी की है, जिसने प्रशंसकों को उत्साह से भर दिया है। और यह कितना बड़ा बदलाव है। गोपीचंद एक क्रूर योद्धा के रूप में सामने आए हैं, उनके लंबे बाल, युद्ध में घिसी हुई घनी दाढ़ी, माथे पर सिंदूर की लाली और तीव्रता से भरी आंखें हैं। दृढ़ निश्चयी शांत भाव से बैठे, हाथ में तलवार और पृष्ठभूमि में युद्ध का मैदान, पोस्टर शक्ति और वीरता की चीखें लगाता है।

बर्फीले पर्वत श्रृंखलाओं के शानदार कैनवास के सामने सेट की गई झलक की बात करें तो यह एक रहस्यमय शांति के साथ शुरू होती है। नायक योद्धा के रूप में अपने तंबू से बाहर निकलता है। शांति के एक मार्मिक क्षण में, वह अपने घोड़े के साथ जुड़ जाता है, अपना सिर उसके सिर पर रखता है, और चुपचाप एक प्रतिज्ञा करता है। धीरा धीरा के संगीत के साथ, दृश्य धमाकेदार, राजसी और ध्यानपूर्ण लगते हैं।

निर्देशक संकल्प रेड्डी, जिन्हें आईबी 71 (आसमान में), गाजी (पानी में) और अंतरिक्षम (अंतरिक्ष में) जैसी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों में अपनी अनूठी कहानी और तकनीकी प्रतिभा के लिए जाना जाता है, ने एक नए क्षेत्र में कदम रखा है। संकल्प रेड्डी ने भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण और भूली हुई घटना का एक शानदार और आकर्षक चित्रण प्रस्तुत किया है। 7वीं शताब्दी में सेट की गई यह फिल्म एक महत्वपूर्ण लेकिन अनदेखी ऐतिहासिक घटना की गहराई से पड़ताल करती है, जो भारतीय विरासत के एक भूले हुए अध्याय को जीवंत करती है। गोपीचंद एक ऐसे किरदार में नज़र आएंगे जो पहले कभी नहीं देखा गया, और एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करता है।

पहला शेड्यूल अप्रैल में कश्मीर के खूबसूरत इलाकों में पूरा हो चुका है। लुभावने दृश्य बड़े पर्दे पर महाकाव्य की तरह दिखने वाले हैं। अब अगले शेड्यूल के लिए हैदराबाद में बनाए गए भव्य और विशाल सेट पर शूटिंग फिर से शुरू हो गई है। कलाकारों और तकनीकी दल के बारे में आगे की जानकारी जल्द ही सामने आएगी।

बॉर्डर 2: सनी देओल संग दिलजीत, वरुण व अहान शेट्टी की एनडीए से आई तस्वीर

सनी देओल गदर 2 और जाट की सफलता के बाद अब बॉर्डर 2 की शूटिंग कर रहे हैं। बॉर्डर 2 का एलान गदर 2 की मास सक्सेस के बाद किया गया था। साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर एक ब्लॉकबस्टर फिल्म है, जिसमें सनी देओल ने अहम रोल प्ले किया था। बॉर्डर 2 पर लंबे समय से काम चल रहा है और फिल्म के दो शेड्यूल पूरे हो चुके हैं और अब तीसरा शेड्यूल शुरू हो गया है। आज सनी देओल ने फिल्म बॉर्डर 2 के तीसरे शेड्यूल के शुरू होने की जानकारी दी है और साथ ही फिल्म के मेकर्स और स्टारकास्ट के साथ अपनी तस्वीर भी शेयर की है।

सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जो तस्वीर शेयर की है, उसमें खुद सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, वरुण धवन नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के साथ सनी ने बताया कि फिल्म बॉर्डर 2 का तीसरा शेड्यूल आज पुणे के नेशनल डिफेंस एकडेमी में शुरू हो गया है। इस तस्वीर में पहली बार फिल्म की स्टारकास्ट साथ में नजर आई है। कमाल की बात यह है कि इस बार बॉलीवुड फिल्म में पंजाबी स्टार दिलजीत दोसांज भी नजर आने वाले हैं। इस तस्वीर में फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार, निधि दत्ता और डायरेक्टर अनुराग सिंह भी नजर आ रहे हैं।

जेपी दत्ता ने साल 1997 में हिंदी सिनेमा को वॉर बेस्ड फिल्म बॉर्डर दी थी, जो आज भी लोगों के दिलों में बसी है। अब बॉर्डर 2 को अनुराग सिंह बना रहे हैं, जो अक्षय कुमार के साथ फिल्म केसरी बना चुके हैं। बता दें, गदर 2 की सफलता केब बाद सनी के फैंस को अब बॉर्डर 2 का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म बॉर्डर 2 गणतंत्र दिवस के मौके पर 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

असल जिंदगी में तू है आशिकी की नूर से बिलकुल अलग हूं: अमनदीप सिद्धू

टीवी एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू ने अपने नए शो तू है आशिकी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इस शो में उनका किरदार बहुत इमोशनल है, जिसके चलते उन्हें स्क्रीन पर काफी जज्बात दिखाने पड़े। यह एक ऐसा किरदार है, जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया।

अमनदीप सिद्धू को अक्सर शक्तिशाली और प्रभावशाली किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। लेकिन इस शो में उन्होंने एक रोमांटिक किरदार निभाया है, जो उनके लिए नया और दिलचस्प है।

अपने किरदार नूर के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, नूर एक साधारण, मिलनसार, और मुंहफट लड़की है। वह अपने परिवार से बहुत प्यार करती है। खुद से ज्यादा परिवार वालों का ध्यान रखती है। उनकी खुशियों के लिए कुछ भी कर सकती है, लेकिन मैं असल जिंदगी में नूर जैसी नहीं हूं। मैं अपने दिल की सुनती हूं। परिवार और मां की राय जरूर लेती हूं, लेकिन आखिरी फैसला मैं खुद ही करती हूं। इन्हीं वजहों के चलते मैं कहूंगी कि नूर और अमनदीप थोड़े अलग हैं। मेरी जिंदगी की बागडोर हमेशा से मेरे हाथों में होती है।

अमनदीप ने खुद को रोमांटिक इंसान बताते हुए कहा कि उन्होंने पहले कभी इस तरह की भूमिका पर काम नहीं किया है।

अमनदीप ने कहा, शो का नाम तू है आशिकी प्यार के बारे में है, और मेरे लिए इसका मतलब बहुत खास है क्योंकि मैं खुद बहुत रोमांटिक इंसान हूं। मेरी राशि कर्क है। मैंने जो भी सीन और एपिसोड किए हैं, उन्हें खुद अपने जीवन में महसूस किया है। टीवी पर मैंने पहले कभी ऐसा नहीं किया था, इसलिए यह मेरे लिए बिल्कुल नया है। यह एक नई और बहुत खास चीज है। इस शो की भावना को मैं पूरी तरह से महसूस करती हूं। यह मेरे लिए अद्भुत है।

तू है आशिकी शो का निर्माण रवि दुबे और सरगुन मेहता की प्रोडक्शन कंपनी ड्रीमियाता ड्रामा के तहत हो रहा है। इसमें अभिषेक कुमार, शीजान खान, और माहिर पांधी भी अहम भूमिका में हैं। यह शो यूट्यूब पर ड्रीमियाता ड्रामा के ऑफिशियल अकाउंट पर 6 जून को शुरू हुआ।

द ट्रेटर्स एक ऐसा मंच, जहां किसी तरह के दिखावे की जरूरत नहीं- अपूर्वा मखीजा

मशहूर कंटेंट क्रिएटर अपूर्वा मखीजा रियलिटी शो द ट्रेटर्स' में नजर आ रही हैं। इस शो में हिस्सा लेने की वजह बताते हुए अपूर्वा ने बताया कि यह उनके लिए एक ऐसा मंच है, जहां उन्हें किसी भी तरह का दिखावा करने की जरूरत नहीं है। वह अपनी असली पहचान के साथ इस मंच पर खेल सकती हैं।

करण जौहर इस शो को होस्ट कर रहे हैं, जिसके आगे के खेल को लेकर वह उत्साहित हैं।

अपूर्वा ने कहा, मैंने द ट्रेटर्स' के लिए हां इसलिए कहा क्योंकि यह एक ऐसा मंच है, जहां मुझे किसी भी तरह के दिखावे की जरूरत नहीं है।

उन्होंने बताया कि वह हमेशा अपने सोशल मीडिया कंटेंट में ईमानदार रही हैं, और यह शो एक तरह से उसी का विस्तार है। अपूर्वा ने शो को जिंदगी की तरह कई रोमांचक मोड़ और भावनाओं से भरा बताया। वे इस नए मंच पर अपने प्रशंसकों, जिन्हें वे प्यार से क्यूट लिटिल रेड फ्लैग्स कहती हैं, के सामने नई छवि पेश करने को लेकर उत्साहित लेकिन थोड़ा नर्वस भी हैं। वह उम्मीद करती हैं कि दर्शक उन्हें इस अलग तरह के माहौल में भी वही अपूर्वा के रूप में देखेंगे।

द ट्रेटर्स' में अंशुला कपूर, महीप कपूर, करण कुंद्रा, राज कुंद्रा, जैस्मिन भसीन, आशीष विद्यार्थी, लक्ष्मी मांचू, रफ्तार, साहिल सलाठिया जैसे कई सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस शो में कुछ खिलाड़ी इनोसेंट होते हैं, जिन्हें ट्रेटर्स यानी गुप्त रूप से चुने गए धोखेबाजों को पहचानकर बाहर करना होता है।

यह शो प्राइम वीडियो पर 12 जून को रिलीज हो चुका है, जिसका निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया प्रोडक्शंस और ऑल 3 मीडिया इंटरनेशनल ने संयुक्त रूप से मिलकर किया है। यह शो आईडीटीवी के बाफ्टा और एमी पुरस्कार विजेता फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है।

अपूर्वा पहले नादानियां', बात पक्की' और हू इज योर गायनैक' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी काम कर चुकी हैं।

सड़कें, जिन्होंने भारत के विकास की दिशा बदल दी!

नितिन गडकरी

साल 2014 में जब नरेन्द्रा मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की, उसी क्षण से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्चर प्राथमिकता देती आई है। इस दिशा में, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय बुनियादी ढांचे के विकास का केंद्र बिंदु बन गया। मोदी के नेतृत्व में इस मंत्रालय ने न केवल देश के आर्थिक विकास को गति दी है, बल्कि वर्ष 2014 से लेकर इन 11 वर्षों के दौरान इसे एक नया आयाम भी दिया है।

पूर्ण हो चुके और बनने वाले दोनों प्रकार के राजमार्गों के निर्माण - ने देश के विकास की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुशल राजमार्ग, जलमार्ग और रेलवे, लॉजिस्टिक्स की लागत में कमी ला सकते हैं और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को विश्वगुरु' बनाने का सपना देखते हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। इस सपने को साकार करने के लिए, हमें निर्यात बढ़ाने की जरूरत है, जिसकी बदौलत कृषि, सेवाओं और औद्योगिक क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देगा।

पिछले 11 वर्षों में निर्मित सड़कों ने हमारी लॉजिस्टिक्सत की लागत को 16 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है, और अगले वर्ष, हमारा लक्ष्य इसे और कम करके 9 प्रतिशत पर लाना है। इससे हमारे निर्यात में वृद्धि होगी, हम अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे, और भारत को विश्वगुरु' बनने की दिशा में और अधिक प्रबल रूप से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय देशभर में 25 नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे बना रहा है। बंदरगाहों को जोड़ने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 3,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्ग भी बनाए जा रहे हैं। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार के प्रयास भी आकार ले रहे हैं। 22,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई बौद्ध सर्किट परियोजना ने दक्षिण एशिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन, सिंगापुर और जापान से भगवान बुद्ध की जन्मस्थली आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

इसके साथ ही, चार धाम स्थलों - बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री - पर जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या तीन गुनी हो गई है। केदारनाथ को जोड़ने के लिए 12,000 करोड़ रुपये की लागत से रोपवे का निर्माण किया जा रहा है। कैलाश मानसरोवर को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से जोड़ने वाली सड़क का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

भारत में, खास तौर पर राष्ट्रीय राजधानी में, उड़ने वाली बसों' का सपना साकार होने की कगार पर है। इसमें हवा में उड़ने वाली बसें, फ्लैश-चार्जिंग इलेक्ट्रिक बसें और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए उड़ने वाली डबल-डेकर बसें शामिल हैं। दिल्ली के धौला कुआं से मानेसर तक स्काईवे सिस्टम पर आधारित उड़ने वाली बस सेवा लगभग अपने अंतिम चरण में है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह प्रयोग इस विशेष मार्ग पर यातायात जाम की स्थाणयी समस्यू को हल करने में महत्वपूर्ण होगा।

नागपुर में जल्द ही पहली फ्लैश-चार्जिंग इलेक्ट्रिक बस लॉन्च की जाएगी।

इसमें 135 सीटें, एग्जीक्यूटिव क्लास, सामने टीवी स्क्रीन और एयर होस्टेस जैसी बस होस्टेस होंगी। इस बस की अधिकतम गति 120 किमी/घंटा होगी और यह अपनी यात्रा को दोबारा शुरू करने से पहले पूरी तरह चार्ज होने के लिए हर 40 किमी पर सिर्फ़ 30 सेकंड के लिए रुकेगी।

ऐसा काम केवल दफ़्तर में बैठकर डीपीआर तैयार करने से नहीं हो सकता - इसके लिए जी-जान से प्रयास करने की ज़रूरत होती है!

सड़क निर्माण पर आईआईएम-बैंगलोर द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) निर्माण पर खर्च किए गए प्रत्येपक1 रुपये से भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 3.21 रुपये की वृद्धि हुई है, जो 3.2 गुना का गुणक प्रभाव है। नतीजतन, घरेलू उत्पादन में 9 प्रतिशत और कार की बिक्री में 10.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा किए गए काम ने न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है, बल्कि रोज़गार के कई अवसरों का भी सृजन किया है।

कुछ ध्यान देने योग्य आँकड़े: 2014 में, भारत में केवल 91,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग थे। 2024 तक, यह नेटवर्क लगभग 60 प्रतिशत बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर हो गया है। सड़क निर्माण की दैनिक गति 12 किलोमीटर/दिन से बढ़कर 28-30 किलोमीटर/दिन हो गई है। 5.35 लाख करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत, आर्थिक गलियारों, अंतर्राष्ट्रीय सीमा सड़कों और सीमा क्षेत्र कनेक्टिविटी सहित 65,000 किलोमीटर सड़कें बनाने का लक्ष्य है। यह योजना भारत की लॉजिस्टिक्से की लागत में और कमी लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

गति शक्ति' और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पहल सड़क, रेलवे, वायु, जलमार्ग और बंदरगाहों को एकल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म में एकीकृत करती है, जिससे समय पर परियोजना पूर्ण होना सुनिश्चित होने में मदद मिली है। हमारे मंत्रालय ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से भी सड़क विकास परियोजनाओं को लागू करना शुरू कर दिया है, जिसने महत्वपूर्ण निजी निवेश आकर्षित किया है। इस मॉडल के तहत, 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाएँ शुरू की गई हैं।

2014 में शुरू हुआ ये सफ़र केवल सड़कों का नहीं है; बल्कि एक तरह से ये भारत की प्रगति की जीवन रेखा बन गया है। राजमार्ग नेटवर्क के विस्तार ने न केवल यात्रा को आसान बनाया है, बल्कि घरेलू व्यापार, उद्योग, पर्यटन और सुरक्षा को भी बढ़ावा दिया है।

पहले दिन से ही हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने का अथक प्रयास कर रही है कि समावेशी विकास समाज की अंतिम कतार में खड़े हर व्यक्ति तक पहुंचे। हम इस लक्ष्य को जल्द से जल्द प्राप्त करने के लिए आने वाले वर्षों में इस काम को और भी तेज़ गति से करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अब हमारे पास विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और 2047 तक अपने राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को अमेरिका से भी बेहतर बनाने का एक स्पष्ट विजन मौजूद है, ताकि भारत एक आर्थिक महाशक्ति बन सके।

अमेरिका के पास अच्छी सड़कें इसलिए नहीं हैं क्योंकि वह अमीर है; अमेरिका अमीर इसलिए है, क्योंकि उसके पास अच्छी सड़कें हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी का यह कथन, जो दिल्ली में परिवहन भवन में मेरे कार्यालय में और इससे पहले महाराष्ट्र में जब मैं मंत्री था, तो वहां लगा हुआ था, यह संयोगवश नहीं है। मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों से यह हमारा मार्गदर्शक मंत्र रहा है।

हम भविष्य में इस काम को और भी तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आने वाले वर्षों में, भारत का सड़क से संबंधित बुनियादी ढांचा अमेरिका से भी बेहतर होगा - यह कोई सपना नहीं, बल्कि हकीकत है, जो आकार ले रही है। गुणवत्ता, गति, पारदर्शिता और पर्यावरण के अनुकूल नीतियों का संतुलन बनाए रखते हुए भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलेगी।

(लेखक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री हैं)

सू- दोकू क्र.85

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.84 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

हवाई यात्रा की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न

अशोक शर्मा

हाल ही में अहमदाबाद में हुई हवाई दुर्घटना ने हमारे दिलों को झकझोर दिया है और हवाई यात्रा की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। इस अत्यंत दुखद घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल सही कहा कि संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके पास शब्द नहीं है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी गुरुवार की रात को लगभग यही बात कही। दरअसल,अब समय आ गया है कि हम इन हादसों के मूल कारणों का गहन विश्लेषण करें और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं। दरअसल मानवीय चूक अक्सर विमान दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण होता है। इसमें पायलटों की थकान, अपर्याप्त प्रशिक्षण, गलत निर्णय लेना, या वायु यातायात नियंत्रण की त्रुटियां शामिल हो सकती हैं। दबाव में गलतियां होने की संभावना बढ़ जाती है, खासकर जब पायलटों को अचानक या अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। विमानों में यांत्रिक विफलताएं या प्रणाली (सिस्टम) की खराबी भी दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। इसमें इंजन का खराब होना, लैंडिंग गियर की समस्या, या विमान के विमानन इलेक्ट्रॉनिक चैनल में खराबी शामिल हो सकती है। नियमित रखरखाव की कमी या घटिया पुर्जों का उपयोग भी इस जोखिम को बढ़ा सकता है। अत्यधिक खराब मौसम की स्थिति, जैसे भारी बारिश, घना कोहरा, तेज़ हवाएँ, या बिजली गिरने से भी विमान का नियंत्रण खो सकता है, जिससे दुर्घटना हो सकती है। मौसम पूर्वानुमान की गलत व्याख्या या जोखिम भरे मौसम में उड़ान भरने का निर्णय भी घातक साबित हो सकता है। गलत निर्देश, संचार में कमी, या हवाई क्षेत्र के अनुचित प्रबंधन से भी विमानों के बीच टकराव या अन्य दुर्घटनाएं हो सकती हैं। पायलटों के लिए कठोर और नियमित प्रशिक्षण अनिवार्य है, जिसमें आपातकालीन प्रक्रियाओं और दबाव में निर्णय लेने का अभ्यास शामिल हो। उनकी थकान को कम करने के लिए पर्याप्त आराम के घंटे और मानसिक स्वास्थ्य सहायता भी महत्वपूर्ण है।

विमानों का नियमित और व्यापक रखरखाव सुनिश्चित किया जाना चाहिए। प्रत्येक उड़ान से पहले और बाद में गहन जांच होनी चाहिए, और किसी भी संदिग्ध हिस्से को तुरंत बदला जाना चाहिए। गुणवत्ता नियंत्रण पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। बेहतर और अधिक सटीक मौसम पूर्वानुमान प्रणालियां विकसित की जानी चाहिए, और पायलटों को वास्तविक समय में अद्यतन जानकारी प्रदान की जानी चाहिए। खराब मौसम में उड़ान भरने के लिए सख्त नियमों का पालन किया जाना चाहिए।

एटीसी प्रणालियों का आधुनिकीकरण किया जाना चाहिए और कर्मियों को नवीनतम तकनीकों और आपातकालीन प्रबंधन प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। संचार में स्पष्टता और त्रुटिहीन समन्वय सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स और सुरक्षा प्रणालियों का उपयोग बढ़ाना चाहिए, जो पायलटों को खतरों की प्रारंभिक चेतावनी दे सकें और आपातकालीन स्थितियों में सहायता कर सकें। प्रत्येक दुर्घटना की एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, जिसके निष्कर्षों को सार्वजनिक किया जाए। इससे न केवल जवाबदेही सुनिश्चित होगी, बल्कि भविष्य में ऐसी गलतियों से सीखने का अवसर भी मिलेगा। दरअसल, अत्याधुनिक तकनीक के कारण भारत सहित पूरी दुनिया में विमान दुर्घटनाओं में कमी आई है। अब वे यदा-कदा होती हैं, पर अहमदाबाद जैसा भयावह हादसा दुर्लभ है। बहरहाल, एक बार सुविधाओं में कमी की अनदेखी की जा सकती है, पर हवाई यात्रियों की सुरक्षा से तो कोई समझौता हो ही नहीं सकता। यह एक राष्ट्रीय त्रासदी है। ऐसा हदसा फिर से ना हो, इसकी जिम्मेदारी विमान कंपनियों, एयरवेज कंपनियों और सरकार तीनों को लेनी होगी।

सीएम धामी ने की बारिश को लेकर सतर्क रहने की अपील

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बारिश को लेकर सतर्क रहने की अपील करते हुए लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा परीक्षा में शामिल होने जा रहे परीक्षार्थियों से भी मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए समय से पहले अपने परीक्षा केंद्र के लिए प्रस्थान करने की अपील की है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के पहाड़ी और कुछ मैदानी क्षेत्रों में अगले 24 घंटे में अत्यधिक वर्षा की संभावना को देखते हुए, आम जनमानस से सतर्क रहने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के आधार पर लोगों से अनुरोध करते हुए कहा है कि सभी लोग सतर्क रहें, अनावश्यक यात्रा से बचें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करें। मुख्यमंत्री धामी ने रविवार 29 जून को उत्तराखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जा रही उत्तराखंड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) 2025 में शामिल होने जा रहे परीक्षार्थियों से भी मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए समय से पहले अपने परीक्षा केंद्र के लिए प्रस्थान करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षार्थियों की सुरक्षा और परीक्षा दोनों ही सरकार के लिए महत्वपूर्ण हैं। राज्य सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय प्रशासन को हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को भी बारिश और अतिवृष्टि की संभावना को देखते हुए, स्थानीय प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखने को कहा है।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लुधियाना पंजाब निवासी बेअन्त सिंह ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से आईटीबीपी आया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल पार्किंग में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

छात्रों ने किया सचिवालय का घेराव.. ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

दिन बाद यानी 14 मई को IAS नितिका खंडेलवाल को निदेशक ITDA के पद से हटा दिया गया। यह जिम्मेदारी अब पै गौरव कुमार को दे दी गई है। इसके बाद यह जांच फिलहाल लटकती हुई नजर आ रही है। उन्होंने कहा की विवादों में शामिल होने पर भी शासन के कुछ अधिकारी मिली भगत करके कुलपति डॉ. ओमकार यादव को एवं सॉफ्टवेयर को अभी भी जारी रखे हुए है एवं छात्रों का उत्पीडन एवं विश्विद्यालय में भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनिमिताओ का दौर यथावत जारी है ! लगता है सॉफ्टवेयर कंपनी ने नीचे से ऊपर तक सभी अधिकारियो को सेट कर लिया है ! जो न सॉफ्टवेयर को हटने दे रहे है एवं ना ही जाँच को आगे बढ़ने दे रहे है ! छह माह से शासन केवल खाना पूर्ति एवं आश्वासन तक ही सीमित है। डी.ए. वी. छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि अब छात्रों के हितो से कोई भी खिलवाड़ नहीं होने दिया जायेगा। अब भी शीघ्र कारवाही न होने पर व्यापक राज्य स्तर पर छात्र आन्दोलन करने को मजबूर होंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी सरकार एवं शासन की होगी। इस दौरान सौरभ सेमवाल,स्वयं रावत,दक्ष रावत, मंथन,आकाश,आर्यन,नितिन,आदि कई एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जीआरपी ने 40 लाख कीमत के.... ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

PORTAL एवं मैन्युअली काम करते हुए उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, प.बंगाल, उड़िसा व भारत के अन्य राज्यों से कुल 135 मोबाईल फोन बरामद किये गये जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 22 लाख है। कप्तान तृप्ति भट्ट की पहल का ही नतीजा है कि फरवरी में भी 18 लाख के 115 खोए मोबाइल पीड़ितों को दिए गए थे कुल मिलाकर मात्र 5 महीनों में लगभग 40 लाख कीमत के 250 मोबाइल फोनों को उनके स्वामियों के सुपुर्द किया जा चुका है। अपने खोए मोबाइल को सकुशल वापस पाकर सभी मोबाइल स्वामियों द्वारा मुक्तकंठ से कप्तान तृप्ति भट्ट के नेतृत्व एवं जीआरपी पुलिस की प्रशंसा की गई।

मुख्यमंत्री ने किया अपनी माताजी के साथ पौधारोपण

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक पेड मां के नाम अभियान के तहत अपनी मां श्रीमती बिशना देवी के साथ पौधारोपण किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपनी माताजी श्रीमती बिशना देवी के साथ पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री के सुपुत्र दिवाकर ने भी इस अवसर पर पौधा लगाया। इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के सम्मान में एक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना है, ताकि भावनात्मक जुड़ाव के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाया जा सके। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि "माँ जीवन की पहली गुरु होती हैं और पर्यावरण हमें जीवन देता है। माँ और प्रकृति दोनों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है। यह अभियान समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी संदेश देता। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता से अपील की कि वे अपनी माताओं के नाम से एक पौधा अवश्य लगाएँ और उसका संरक्षण स्वयं करें। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक समीर सिन्हा और अपर सचिव बंशीधर तिवारी मौजूद थे।

निर्माण कार्य समय पर पूर्ण न होने पर होगी सख्त कार्रवाई: डॉ. रावत

संवाददाता

देहरादून। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने निर्माण कार्य कर रही कार्यदायी संस्थाओं को चेतावनी देते हुये दो टूक कहा कि समय पर निर्माण कार्य पूर्ण न करने व उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध न कराने की स्थिति में संस्थाओं को भविष्य में कोई भी नया काम नहीं दिया जायेगा।

आज यहां प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विभाग में निर्माण कार्य कर रही कार्यदायी संस्थाओं को चेतावनी देते हुये दो टूक कहा कि समय पर निर्माण कार्य पूर्ण न करने व उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध न कराने की स्थिति में संस्थाओं को भविष्य में कोई भी नया काम नहीं दिया जायेगा। साथ ही अनुबंध की शर्त पूर्ण न करने की स्थिति में कार्यदायी संस्थाओं पर पैनल्टी भी लगाई जायेगी। विधानसभा स्थित सभाकक्ष में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में डॉ. रावत ने उच्च शिक्षा के अंतर्गत पीएम-उषा परियोजना एवं राज्य सेक्टर के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा की। जिसमें उन्होंने विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिये कि अनुबंध के अनुरूप समय पर निर्माण कार्य पूर्ण न करने, गुणवत्ता में लापरवाही बरतने तथा समय पर यूसी उपलब्ध कराने की स्थिति में संबंधित कार्यदायी संस्था के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करते हुये भविष्य में कोई भी नया काम नहीं दिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग में भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित पीएम-उषा योजना के तहत दर्जनों कार्य चल रहे हैं। जिनका निर्माण राज्य की विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है, जिनकी यूसी भारत सरकार को नियत समय पर उपलब्ध करानी होती है ताकि आगे की किस्त समय पर प्राप्त की जा सके।

विभागीय मंत्री ने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कई बार कार्यों में लापरवाही बरतने व समय पर यूसी उपलब्ध न कराने की बात समाने आई है। जिस पर उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं ब्रीडकुल, मंडी समिति, पेयजल निर्माण निगम, आरडब्ल्यूडी के उच्चाधिकारियों को दो टूक निर्देश दे दिये गये हैं।

डॉ. रावत ने बताया कि भारत सरकार द्वारा स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट फॉर कैपिटल स्कीम (एसएएससीआई) के तहत करीब 100 करोड़ धनराशि राज्य को प्राप्त हुई है। जिससे डेढ़ दर्जन राजकीय महाविद्यालयों में परीक्षा भवनों का निर्माण कार्य गतिमान है। जबकि इससे पूर्व विगत वर्षों राज्य के 20 राजकीय महाविद्यालयों में छात्रावास एवं आईटी लैब हेतु करीब 128 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई थी। जिनके निर्माण कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं। जबकि पीएम-ऊषा के अंतर्गत राज्य को विभिन्न कार्यों हेतु 160 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई है। जिसमें कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल को 100 करोड़, दून विश्वविद्यालय को 20 करोड़, राजकीय महाविद्यालय रूद्रपुर व बनास पैठाणी को 10-10 करोड़, राजकीय महाविद्यालय खिर्सू, पाटी चम्पावत, रानीखेत अल्मोड़ा व कर्ण प्रयाग को 5-5 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई है। इसी प्रकार राज्य सेक्टर के अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु 96 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई है। जिसके तहत विभिन्न महाविद्यालयों में भवन निर्माण, ऑडिटोरियम, संकाय भवन, छात्रावास, कक्षा-कक्ष आदि का निर्माण किया जा रहा है।

बैठक में सचिव उच्च शिक्षा रणजीत सिन्हा, निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. के.के. पाण्डे, उप सचिव ब्योमकेश दुबे, संयुक्त निदेशक ए.एस. उनियाल, वित्त नियंत्रक श्रीदेव सुमन विवि मनोज कुमार पाण्डेय, वित्त नियंत्रक यूओयू सूर्य प्रताप सिंह, वित्त नियंत्रक दून विवि शिवानी पाण्डेय, सहायक निदेशक उच्च शिक्षा गोविंद पाठक, प्रमोद कुमार, दीपक कुमार, शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जल विद्युत परियोजनाओं से राज्य ऊर्जा हब में हो रहा स्थापित: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जल विद्युत परियोजनाएं उत्तराखंड को ऊर्जा हब में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ओएनजीसी कम्युनिटी सेंटर, देहरादून में आयोजित ऑल इण्डिया ऑइल सैक्टर मीट कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार इकॉनमी, इकोलॉजी और टेक्नोलॉजी में समन्वय के साथ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। राज्य में मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना से स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा दिया रहा है। प्रदेश में टिहरी, कोटेश्वर, पीपलकोटी, लखवाड़, विष्णुगाड़ जैसी जल विद्युत परियोजनाएं उत्तराखंड को ऊर्जा हब में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्य में जियो थर्मल के क्षेत्र में अनेकों संभावना है, जिस पर राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा प्राकृतिक संसाधन किसी भी राष्ट्र को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ईंधन, राष्ट्र के विकास के साथ ही हमारी दैनिक आवश्यकताओ को भी पूरा करता है। देश में कच्चे तेल का कुल उत्पादन का 70 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस उत्पादन का 84 प्रतिशत योगदान देकर ओएनजीसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर और विकसित भारत का संकल्प हमारे सामने रखा है। देश 2047 में विकसित भारत बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए पेट्रोलियम भंडार की स्थापना की गई है। ग्रीन हाइड्रोजन के साथ सौर ऊर्जा को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ऊर्जा के कई वैकल्पिक स्रोतों पर कार्य किया जा रहा है। इन सभी प्रयासों ने भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में सक्षम बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेल एवं प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में अनेक कार्य किए गए हैं। वन नेशन, वन ग्रिड के अंतर्गत गैस पाईप लाईनों का विस्तार किया जा रहा है। गैस वितरण प्रणाली को विस्तार देकर पहले से सुविधाजनक बनाया गया है। बायो सीएनजी प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। उज्ज्वला गैस योजना जैसी योजनाओं ने समाज में क्रांति लाने का काम किया है। तेल उत्पादन के लिए कई नीतियां भी लागू की गई है। भारत ने विदेशों में भी तेल एवं प्राकृतिक क्षेत्र में निवेश को बढ़ाया है। उन्होंने कहा ओएनजीसी ने उत्तराखंड कई ऐसे कार्य किए हैं, जिसका लाभ राज्य को मिल रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ हिरान्मय पंड्या, अनुपम, गोपाल जोशी, नीरज शर्मा, पवन कुमार, देवेंद्र बिष्ट, सुमित सिंघल एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रतिष्ठित कम्पनियों के नाम से नकली दवा बनाने वाला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने प्रतिष्ठित दवाई की कम्पनी के नाम से नकली दवाई बनाने वाले को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके एक साथी को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि एक जून को एसटीएफ ने प्रतिष्ठित दवाई कम्पनियों के रैपर के नकली आउटर बॉक्स, लेबल एवं क्यूआर कोड भारी मात्रा के साथ एक व्यक्ति संतोष कुमार को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में संतोष ने बताया कि वह नकली आउटर बॉक्स, लेबल एवं क्यूआर कोड अक्षय नाम के व्यक्ति के कहने पर छापकर उसको ट्रांसपोर्ट के माध्यम से भिवाडी राजस्थान अक्षय के पते पर भेज देता था। उसने अक्षय के मोबाइल नम्बर उपलब्ध कराये। संतोष की गिरफ्तारी के बाद उक्त फोन बंद हो गये थे। जिसके बाद एसटीएफ ने मैनुअली पुलिसिंग एवं तकनीकी जानकारी एकत्र कर पता चला कि अक्षय का असली नाम नवीन बसंल पुत्र महावीर बसंल निवासी आशियाना ग्रीन मिवाडी राजस्थान है। और उक्त मोबाइल नम्बर वहीं इस्तेमाल कर रहा है। जिसके बाद एसटीएफ ने गत दिवस मैनुअली पुलिसिंग कर नवीन बंसल को आशियाना गार्डन भिवाडी राजस्थान से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि वह देहरादून में संतोष कुमार से रैपर व नकली आउटर बॉक्स, लेबल एवं क्यूआर कोड आदि छपवाता है उसके बाद वह सेलाकुई , बददी, हिमाचल, चण्डीगढ आदि राज्यों में प्रतिष्ठित दवाई कम्पनियों की नकली दवाईयों की पैकिंग तैयार करवाकर उनको दिल्ली, राजस्थान व हरियाणा आदि राज्यों में मार्किट मे बेच देता है। जिससे उसको किसी कोई टैक्स भी नहीं देना पडता और भारी मुनाफा होता है। पकडे गये नवीन बंसल उपारोक्त के नकली दवाई बनाने वाले गैंग में कौन-कौन व्यक्ति, कम्पनी है इस सम्बन्ध में गहनता से जानकारी की जा रही है।

एसडीआरएफ ने दो मजदूरों व चार खच्चरों का किया सफल रेस्क्यू

संवाददाता

टिहरी। एसडीआरएफ ने नदी में फंसे दो मजदूरों व चार खच्चरों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाम लगभग साढे सात बजे थाना घनसाली पुलिस को सूचना मिली कि बूढ़ा केदार नदी में दो मजदूर कार्य कर रहे थे कि अचानक नदी का जल स्तर बढ़ने पर दोनों मजदूर टापू में फँस गए हैं। उक्त सूचना पर थाना घनसाली पुलिस एवं एसडीआरएफ टीम अविलंब रैस्क्यू हेतु रवाना हुए। नदी का जल स्तर काफी बढ़ गया था जिस कारण पुलिस टीम को रेस्क्यू करने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। आखिरकार स्थानीय ग्रामीणों की मदद से नदी में फँसे दो मजदूर व चार खच्चरों का थाना घनसाली पुलिस एवं एसडीआरएफ टीम द्वारा सकुशल रैस्क्यू कर लिया गया।

24 पेटी शराब के साथ दो नेपाली गिरफ्तार

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। पुलिस ने 24 पेटी शराब के साथ दो नेपाली युवकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पुलिस के स्तर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था सहित उनको सेफली केदारनाथ धाम भेजना और फिर उनकी सुखद वापसी अपने आप में चौलेंजिंग है। हालांकि इस रूप में बाबा का आशीर्वाद भी साथ में है। बस इसी का फायदा उठा रहे कुछ लोग जो कि गलत कार्य में लिप्त हैं और इनके द्वारा अपने कुछ कुत्सिद्ध इरादों की पूर्ति के लिए गलत कार्य किये जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला रुद्रप्रयाग पुलिस के सामने आया

है जब एक ट्रक वाहन गौरीकुण्ड पहुंचा और इसमें खाने.पीने की सामग्री तो नहीं पर दारू (शराब) जरूर मिली। पुलिस ने आवश्यक छानबीन की तो पाया कि दो नेपाली इस ट्रक को लेकर आए हैं और इसमें भूसे के अन्दर शराब छिपाकर रखी है। पुलिस चेकिंग में कुल 24 पेटी यानि कि 288 बोतल शराब बरामद हुई है। ये मोटा मुनाफा कमाना चाह रहे थे पर अब धर लिए गए हैं। जिनके विरुद्ध आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गयी है तथा शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन ट्रक को सीज किया गया है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम प्रमोद गंधर्वाए पुत्र रुपलाल गाईए निवासी न्यू रोड 11 भेरी, जिला बाँकें नेपाल, हाल पता पतली कुल मनाली हिमाचल प्रदेश, चेतन पुत्र खुम बहादुरए निवासी ग्राम कोहलपुर, थाना. बाँके जिला बांके हाल पता पतली कुल मनाली हिमाचल प्रदेश बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आशिक आसमान से गिरा और खजूर पर अटका

कार्यालय संवाददाता

रामपुर। शहर के राम रहीम पुल पर उस समय अफरातफरी मच गई जब एक युवक ने चलते रोडवेज बस के ऊपर कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। युवक की पहचान जुनूबी इलाके निवासी फरमून के रूप में हुई है, जो प्रेम प्रसंग में मानसिक तनाव से जूझ रहा था।

जानकारी के अनुसार, फरमून का अपने बड़े भाई की साली से लंबे समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। जब उसने परिवार से उस युवती से विवाह की इच्छा जताई तो दोनों पक्षों के परिजनों ने इस रिश्ते को मंजूरी नहीं दी। इससे आहत होकर युवक शुक्रवार सुबह घर से निकल पड़ा और दोपहर के वक्त

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के राम रहीम पुल पर पहुंच गया। राम रहीम पुल पर कुछ देर बैठने के बाद जैसे ही दिल्ली-बरेली मार्ग पर एक रोडवेज बस गुजरी, युवक ने अचानक उसके ऊपर छलांग लगा दी। आनन-फानन में बस को रोका गया और युवक को बस की छत से नीचे उतारकर अस्पताल पहुंचाया गया। घटना सिविल लाइन थाने के सामने होने के कारण पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लोगों की मदद से युवक को नीचे उतारकर जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं, सड़क पर बस के रुकने के कारण कुछ देर के लिए जाम भी लग गया, जिसे बाद में पुलिस ने नियंत्रित किया। बस की छत पर पड़े युवक का वीडियो वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल फोन से बना लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें युवक की गंभीर मानसिक स्थिति साफ झलक रही है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि युवक का मामला पूरी तरह प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। परिजनों की आपसी सहमति न मिलने के कारण युवक मानसिक रूप से तनाव में था। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।